

- (ii) बिहारी की रचना का नाम बताइए।  
(iii) घनानंद के प्रिय छंद कौन-से हैं ?  
(iv) नाथों की संख्या कितनी है ?  
(v) 'महापुराण' किसने लिखा ?  
(vi) दो रासों काव्यों का नाम लिखिए।  
(vii) काव्य के तत्त्वों के नाम लिखिए।  
(viii) काव्य के गुण कौन-कौन-से हैं ?

Roll No. ....

91202

B. A. Ist Semester

Examination – December, 2015

Hindi (Comp.)

Time : Three Hours ]

[ Maximum Marks : 80

प्रश्नों के उत्तर देने से पहले परीक्षार्थी यह सुनिश्चित कर लें कि उनको पूर्ण एवं सही प्रश्न-पत्र मिला है। परीक्षा के उपरान्त इस सम्बंध में कोई भी शिकायत नहीं सुनी जायेगी।

नोट : सभी प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार दीजिए।

1. किन्हीं दो पद्यांशों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए।  $6 \times 2 = 12$

(क) कबीर कहा गरबियों, इस जीवन की आस।

टेसू फूले दिवस चारि, खंखर भये पलास।।

यहु ऐसा संसार है, जैसा सैबल फूल।

दिन दस के ब्योहार को, झूठे रंगि न भूल।।

(ख) अखियाँ हरि दरसन की भूखी।

कैसे रहें रूप रस रांची ये बतियाँ सुनी रुखी।।

91202 -64450-(P-4)(Q-7)(15) ( 4 )

91202 -64450-(P-4)(Q-7)(15)

P. T. O.

- अवधि गनत इकटक मग जाँवत तव एती नहि झूखी।  
 अब इत जोग - संदेस ऊधौं अति अकुलानी दूखी।।  
 बारक वह मुख फेरि दिखायो दुहि पय पिवत पतूखी।  
 सूर सिकत हठि नाव चलाओ ये सरिता हे सूखी।।
- (ग) मेरो घर आवौ सुंदर स्याम।  
 तुम आया विनु सुध नहीं मेरे, पीसी परी जैसे पाण।।  
 मेरे आसा और न स्वामी, एक तिहारो ध्यान।  
 मीरां के प्रमु वेग मिलो अब, राखो जी मेरो प्रान।।
- (घ) ए सजनी जब तें मैं सुनी मथुरा नगरी बरषा रितु आई।  
 लैं रसखान सनेह की ताननि कोकिल मोर मलार मचाई।।  
 सांझ ते मोर लौं मोर तें साँझ लौं गोपिन ज्यौं रट लाई।  
 एसी सखी कहिए तो कहाँ लागि बैसी अहीर ने पीर न पाई।।
2. कबीरदास *अथवा* बिहारी का साहित्यिक परिचय दीजिए। 8
3. किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लगभग 150-150 शब्दों में दीजिए :  
 $4 \times 4 = 16$
- (क) सूरदास की भक्ति भावना के विषय में बताइए।  
 (ख) तुलसी के काव्य में नारी चित्रण पर टिप्पणी कीजिए।  
 (ग) मीरा की काव्यभाषा पर विचार व्यक्त करें।  
 (घ) ब्रजभूमि के प्रति रसखान का-प्रेम किन-किन रूपों में अभिव्यक्त हुआ है ?  
 (ङ) बिहारी की भक्तिभावना पर प्रकाश डालिए।

- (च) घनानंद के विरह वर्णन में स्वभाविकता है। स्पष्ट करें।  
 $8 \times 2 = 16$
4. किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए :  
 (क) हिंदी साहित्य के काल विभाजन पर विचार कीजिए।  
 (ख) आदिकाल की परिस्थितियों का वर्णन कीजिए।  
 (ग) आदिकालीन साहित्य की विशेषताएँ लिखिए।  
 (घ) पृथ्वीराज रासो की प्रामाणिकता - अप्रामाणिकता संबंधी विवाद पर प्रकाश डालिए।
5. किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 150-150 शब्दों में दीजिए।  
 $5 \times 2 = 10$
- (क) हिंदी साहित्य के इतिहास के आदिकाल की समय सीमा क्या है ?  
 (ख) आदिकालीन आर्थिक दशा पर प्रकाश डालिए।  
 (ग) आदिकालीन सिद्ध साहित्य पर टिप्पणी करें।  
 (घ) विद्यापति का संक्षिप्त परिचय दीजिए।
6. किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए।  
 $5 \times 2 = 10$
- (क) रस के अंगों का वर्णन कीजिए।  
 (ख) दोहा छंद का सोदाहरण लक्षण बताइए।  
 (ग) उपमा अलंकार का सोदाहरण लक्षण बताइए।  
 (घ) व्यंजना शब्द शक्ति की परिभाषा उदाहरण सहित बताइए।
7. निम्नलिखित वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर दीजिए।  $1 \times 8 = 8$
- (i) कवितावली किसकी रचना है ?